**चतुर्थ चरण, कार्यक्रम 01**

**त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला**

**अभिकल्पन एवं विकास : टेक्स्ट एवं इमेज ई-संसाधन**

**(Design & Develop: Text and Image e-Resources)**

**13 से 15 मई 2020 तक**

## संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अंतर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'अभिकल्पन एवं विकास : टेक्स्ट एवं इमेज ई-संसाधन'** विषय पर प्रथम त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13 से 15 मई 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को टेक्स्ट एवं इमेज ई-संसाधनों के सम्प्रत्यय एवं प्रकृति से अवगत कराना, विभिन्न उपलब्ध एप्स, सॉफ्टवेयरस एवं उपकरणों से परिचित कराना तथा टेक्स्ट एवं इमेज ई-संसाधनों के अभिकल्पन, विकास एवं प्रस्तुति सम्बन्धित प्रक्रियाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 12 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 03 स्वाभ्यास ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 423 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 235 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। 193 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 43 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। 20 राज्यों एवं 3 केन्द्र शासित प्रदेशों से प्राप्त हुई यथा- आंध्र प्रदेश से 04, असम से 04, बिहार से 07, छत्तीसगढ़ से 03, गुजरात से 02, हरियाणा से 14, झारखंड से 06, कर्नाटक से 01, केरल से 03, मध्य प्रदेश से 12, महाराष्ट्र से 12, ओडिशा से 10, पंजाब से 06, राजस्थान से 07, तमिलनाडु से 01, तेलंगाना से 02, त्रिपुरा से 01, उत्तराखंड से 08, उत्तर प्रदेश से 48, पश्चिम बंगाल से 5, दिल्ली से 35, जम्मू एवं कश्मीर से 01 एवं पुदुचेरी से 01 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **पाँच विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों के विषय रहे यथा- ऑनलाइन टेक्स्टुअल रिपॉजट्री, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी एवं शोध गंगा - प्रयोग एवं अनुप्रयोग, टेक्स्ट ई-संसाधनों हेतु मोबाइल/ पीसी आधारित एप्स, संकल्पना चित्रण एवं शब्द चित्र निर्माण, शिक्षण शास्त्रीय उपकरण के रूप में पैडलेट, ई-संसाधनों के रूप में प्रभावी पावरपॉइन्ट निर्माण, चित्र संसाधन एवं उनके शैक्षिक प्रयोग और इनफोग्राफिक्स निर्माण एवं सम्पादन। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **66%, 27%, 06%, एवं 01%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं की पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत **62% उत्कृष्ट, 33% अति उत्तम, 05% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** रहा। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय महोदय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि., नई दिल्ली) द्वारा दिया गया तथा शिक्षा संकाय प्रमुख द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।